



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 20 जनवरी, 2024

लithियम ब्लॉक के लिये भारत-अर्जेंटीना समझौता

हाल ही में भारत ने **खनजि बदिश इंडिया लिमिटेड (KABIL)** के माध्यम से अर्जेंटीना में पाँच लथियम ब्राइन ब्लॉकों की खोज एवं विकास के लिये अर्जेंटीना के स्वामित्व वाली **CAMYEN** के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

- इस समझौता से KABIL को इन ब्लॉकों मूल्यांकन, अन्वेषण करने में मदद मिलेगी। साथ ही, लथियम खनजियों की खोज किये जाने के बाद इनके वाणिज्यिक उत्पादन के लिये दोहन संबंधी अधिकार भी प्रदान किये गए हैं।
 - यह भारत में किसी सरकारी कंपनी द्वारा शुरू की गई पहली लथियम अन्वेषण और खनन परियोजना है।
- लथियम को 'वाइट गोल्ड' भी कहा जाता है, यह देश के **हरति ऊर्जा** विकल्पों की ओर संक्रमण का आधार हो सकता है।
 - इसका उपयोग ऊर्जा भंडारण, मोबाइल फोन की बैटरी और **इलेक्ट्रिक वाहन (EV)** जैसे विभिन्न श्रेणियों में किया जाता है।
- चिली, बोलीविया और अर्जेंटीना विश्व के "लथियम त्रिकोण" का हिस्सा हैं।
 - तीनों देशों के पास पूरे विश्व के कुल लथियम संसाधनों का आधे से अधिक हिस्सा है।
 - अर्जेंटीना के पास विश्व का दूसरा सबसे बड़ा लथियम संसाधन संपन्न होने, तीसरा सबसे बड़ा लथियम भंडार धारक होने तथा चौथा सबसे बड़ा लथियम उत्पादक होने का गौरव प्राप्त है।

और पढ़ें... [भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने जम्मू-कश्मीर में लथियम की खोज की](#)

भारत ने डोमनिकन गणराज्य, इक्वाडोर और नीदरलैंड के साथ MoU/MoI पर हस्ताक्षर किये



केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में चकित्सा उत्पादों के वनियमन के क्षेत्र में सहयोग पर नीदरलैंड, डोमनिकिन गणराज्य और इक्वाडोर के साथ अलग ज्ञापन को मंजूरी दी।

- नीदरलैंड के साथ आशय पत्र (Memorandum of Intent- Mol या Letter of Intent- LOI) पर 7 नवंबर, 2023 को हस्ताक्षर किये गए थे।
- डोमनिकिन गणराज्य के साथ समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding- MoU) पर 4 अक्टूबर, 2023 को हस्ताक्षर किये गए।
 - साथ ही 7 नवंबर, 2023 को इक्वाडोर के साथ एक अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
- आशय पत्र और समझौता ज्ञापन दो के बीच प्राथमिक अंतर यह है कि एक LOI आमतौर पर कम विशिष्ट होता है, जेमुख्य सदिधांतों एवं सहयोग के प्रारंभिक इरादे पर ध्यान केंद्रित करता है और MOU सामान्यतः अधिक विस्तृत होता है, जिसमें सहयोग के दायरे, प्रत्येक पार्टी की ज़िम्मेदारियों, समयसीमा और संभावित परिणामों को रेखांकित किया जाता है।



और पढ़ें: [भारत का फार्मास्यूटिकल उद्योग, भारत और नीदरलैंड संबंध](#)

ऑपरेशन सर्वशक्ति: जम्मू-कश्मीर में गहन आतंकवाद-रोधी अभियान

भारतीय सेना ने हाल ही में एक रणनीतिक पहल के तौर पर ऑपरेशन सर्वशक्ति की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर के राजौरी एवं पुंछ क्षेत्रों में भारतीय सैनिकों पर किये गए हमलों के लिये ज़िम्मेदार आतंकवादियों को मार गिराना है।

- इस पहल के तहत श्रीनगर में चनार कोर और नगरोटा में व्हाइट नाइट कोर एक साथ ऑपरेशन करेंगे।
- यह ऑपरेशन वर्ष 2003 में पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में आतंकवादियों के खिलाफ शुरू किये गए ऑपरेशन सर्पवनिश के समान ही है, यह ऑपरेशन तीन माह तक चला था जिसमें लगभग 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

और पढ़ें... [आतंकवाद वरिधी एजेंडा को पुनः बढ़ावा](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-20-january-2024>